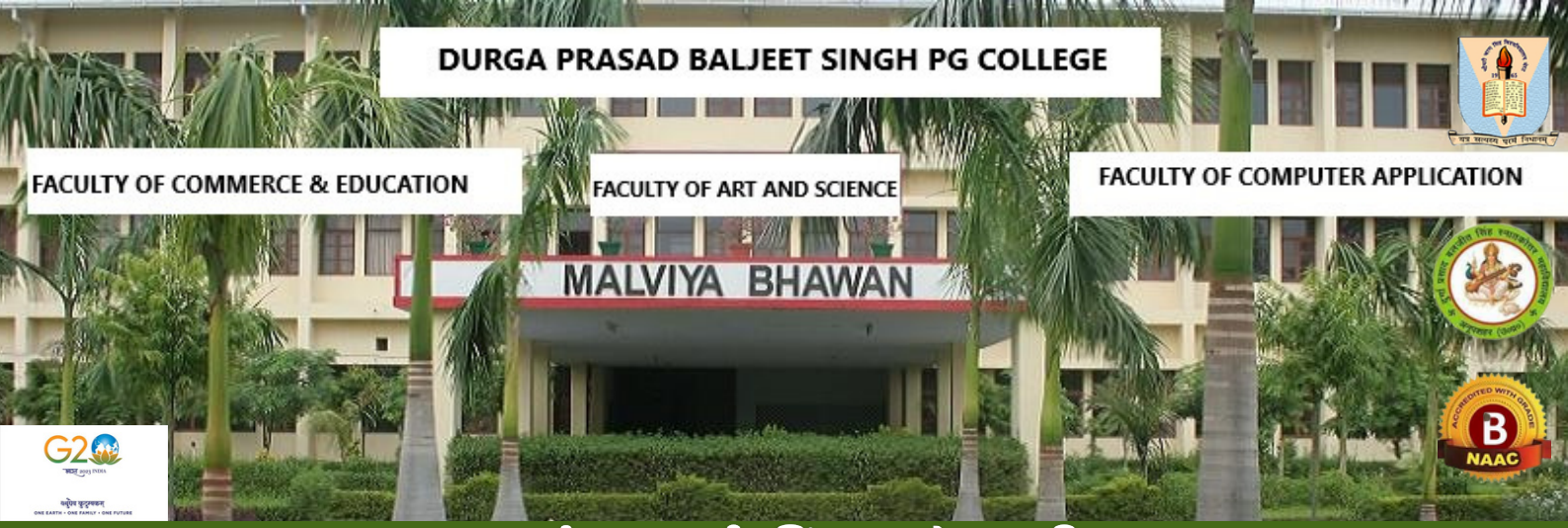

1st GRADE NEWSLETTER

दुर्गा प्रसाद बलजीत सिंह स्नातकोतर महाविद्यालय
अनूपशहर
(संबद्ध चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ)
NAAC Accredited Grade 'B' with CGPA 2.71

APRIL 2022 to DECEMBER 2022 Vol. 1 Issue 2

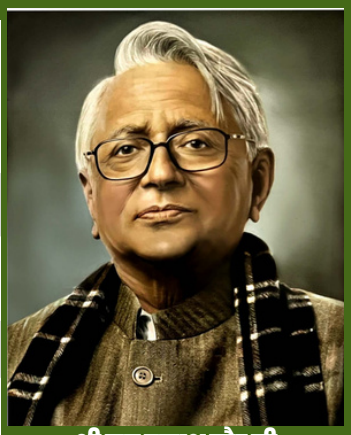

श्री जय प्रकाश गौड़ जी
संस्थापक जे पी ग्रुप
अध्यक्ष एंग्लो वैदिक एजुकेशनल एसोसिएशन

हमारे मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत

प्रगति के पथ पर, शिक्षा ही वह माध्यम है जो हमारे देश को न केवल अपनी संस्कृति को संरक्षित करने की अनुमति दे सकती है बल्कि हमारे युवा देशवासियों के मस्तिष्क को भी प्रज्वलित कर सकती है और उन्हें अन्य विकसित देशों के नागरिकों के बराबर होने के लिए सशक्त बना सकती है। 21वीं सदी में विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रगति का एक पुनर्मूल्यांकन करेंगे जो आज हमारी कल्पना से परे है और जो पृथ्वी ग्रह की सीमाओं को पार कर जाएगा ताकि मनुष्य अनंत ब्रह्मांड के साथ अपना प्रयास शुरू कर सके। नेल्सन मंडेला की प्रसिद्ध उक्ति "शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है जिसका उपयोग दुनिया को बदलने के लिए किया जा सकता है" में दृढ़ विश्वास है। हम पूरी तरह से इस विचार का समर्थन करते हैं कि शिक्षा आर्थिक विकास की आधारशिला है और भारतीय जनता की ताकत को केवल शिक्षा से ही जोड़ा जा सकता है। भारत का वास्तविक भविष्य इसके हजारों छोटे शहरों और गांवों में निहित है, जहां लाखों लड़के और लड़कियां रात में जागते हुए सपने देखते हैं कि क्या हो सकता है और हम यह भी मानते हैं कि उन सपनों को पूरा करने और उन्हें ऊंची उड़ान भरने में मदद करने की कुंजी एक अच्छी शिक्षा है।

हम अपने छात्रों को आधुनिक भारत के आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी नागरिकों के रूप में आकार देते हुए उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए सबसे आधुनिक शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ये संस्थान ज्ञान की गंभीर खोज के साथ अनुशासन और चरित्र निर्माण को विकसित करने का प्रयास करेंगे, सबसे उन्नत शिक्षण प्रथाओं और उच्च नैतिक मानकों का उपयोग करेंगे ताकि हमारे शिक्षक और छात्र आगे बढ़ सकें और अपने देश को अपने जीवनकाल में एक उन्नत राष्ट्र में बदल सकें। .

प्रोफेसर जी0के0 सिंह
प्राचार्य

प्राचार्य का संदेश

जीवन के प्रति जागरूक होने का बेहतर तरीका यह है कि हम अपनी ऊर्जा व समय के उपयोग पर एक दृष्टि डालें। जागरूक लोग अपने भाव-विचारों से जुड़े क्षेत्रों में अपना ध्यान केंद्रित करते हैं । जीवन एक खिले हुए फूल के समान है जो कुछ काल में अपने आप ही कुम्हलाकर गिर पड़ेगा। हमें चाहिए कि हम समग्र जीवन का सम्मान करें। दरअसल जीवन को गहराई से देखना चाहिए क्योंकि यह मानवीय संवेदनाओं का सघन रूप है। हम ज्यों-ज्यों इसकी बनावट को परखेंगे, त्यों-त्यों क्रमिक रूप से जीवन के विशालतम शब्द एवं व्यापकतम अर्थ को पढ़ और समझ सकने लायक होंगे। जीवन में सामंजस्य का महत्व बहुत है। जीवन का प्रवाह नदी की मर्यादित धारा के समान होना चाहिए। जीवन जीने के लिए, नदी की मर्यादित धारा में बहना ही पड़ेगा। हमें जीवन की निर्धारित दिशाओं के साथ चलना पड़ेगा। जीवन को हम अपनी शर्तों पर नहीं चला सकते। और जीवन को इन शर्तों के आधार पर चलाना ही, सामंजस्य कहलाता है। जहां यह सामंजस्य नहीं होता, वहां ऐसा इसलिए होता है कि हमारा अहं और हमारी स्वार्थपरता, उसका मार्ग अवरुद्ध करते हैं। ये दोनों तत्व, सामंजस्य की कोमल एवं उर्वर भूमि को बंजर बना देते हैं। इस बंजर भूमि मेंमानवीय रिश्तों के सभी संवेदनशील पहलू जर्जर अवस्था को पहुंच जाते हैं। सामंजस्य की स्थापना के लिए हमें धैर्य, क्षमा, सहनशीलता, उदारता, सहयोग, सहकार जैसे गुणों की आवश्यकता पड़ती है। जीवन को हम बिना सामंजस्य स्थापित किए, नहीं जी सकते। समाज में रहने के लिए हमें जीवन को सहनशील बनकर जीना होगा। ऐसा तालमेल वही कर सकता है जो जीवन को सहनशील बना लेता है। अनेक कष्टों और कठिनाइयों को सहने से ही हमारे अंतर्मन में समरसता पैदा होती है। जिस व्यक्ति में ये गुण पैदा हो जाते हैं, वही जीवन जीने की कला में निपुण होता है।

डा0 तरुण श्रीवास्तव
सम्पादक

सम्पादकीय

हमारे घर परिवार के सदस्य हों या समाज के अलग- अलग क्षेत्र के लोग, इनको करीब से जानने पर पता लगता है कि ज्यादातर लोगों को अपने जीवन से शिकायत रहती है। इसका कारण होता है असंतोष जो कि न्यूनतम समय में अधिकतम पा लेने की कामना से उपजता है। लेकिन उन्हीं में से कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो जीवन से संतुष्ट होते हैं। ऐसा नहीं है कि उनमें कुछ पाने की इच्छा नहीं होती, लेकिन उनके पास इस इच्छा के साथ उसे पूरा करने की व्यवस्थित योजना भी होती है। जीवन की सटीक योजना के लिए यह छोटा-सा उदाहरण काफी सहायक हो सकता है।

. एक बार दर्शनशास्त्र की एक कक्षा में प्रोफेसर अपने साथ कांच का एक बड़ा मर्तबान, दो कप चाय और थैले में कुछ सामान लेकर पहुंचे। गुरुजी के इस प्रकार से कक्षा में आगमन पर छात्रों को बड़ी हैरानी हुई। तब प्रोफेसर साहब ने कहा, "आज मैं जीवन का एक गंभीर पाठ पढ़ाऊंगा।" उन्होंने मर्तबान को टेबल पर रखा और थैले में से टेबल टेनिस की गेंदें निकाल कर मर्तबान में एक-एक कर भरने लगे। मर्तबान के पूरा भर जाने पर उन्होंने छात्रों से पूछा, क्या यह भर गया? कुछ छात्रों ने जवाब दिया, 'हां' फिर प्रोफेसर साहब ने उसमें छोटे-छोटे कंकड़ भरने शुरू किए और धीरे-धीरे मर्तबान को हिलाया तो काफी सारे कंकड़ उसमें खाली स्थानों में समा गये, फिर उन्होंने रेत की थैली से हौले-हौले उसमें रेत भरना शुरू किया। वह रेत भी उस मर्तबान में जहां संभव था, बैठ गई। फिर से प्रोफेसर साहब ने अपना प्रश्न दोहराया, अब पूरी कक्षा ने एक स्वर में कहा, हां भर गई। तब उन्होंने टेबल के नीचे रखी चाय मर्तबान में डाल दी। चाय भी रेत के बीच स्थित थोड़ी सी जगह में सोख ली गई। तब प्रोफेसर साहब ने गंभीरता से छात्रों को समझाया कि यह कांच का मर्तबान जीवन और टेबल टेनिस की गेंदें परिवार, बच्चे आदि हैं। छोटे कंकड़ नौकरी, कार आदि भौतिक चीजें हैं, और रेत का मतलब मनमुटाव, झगड़े आदि हैं। अब यदि तुमने सबसे पहले रेत भरी होती तो टेबल टेनिस की गेंदों और कंकड़ों के लिये जगह ही नहीं बचती। ठीक यही बात जीवन पर भी लागू होती है। रही बात दो कप चाय की, तो हमेशा याद रखना कि हम अपने जीवन में चाहे कितने भी व्यस्त हो जाएं, अपनों संग बैठ दो कप चाय पीने का समय जरूर होना चाहिए।

आभार सहित

DURGA PRASAD BALJEET SINGH PG COLLEGE

FACULTY OF COMMERCE & EDUCATION

FACULTY OF ART AND SCIENCE

FACULTY OF COMPUTER APPLICATION

1st GRADE NEWSLETTER

APRIL 2022 TO DECEMBER 2022 Vol. 1 Issue 2

महाविद्यालय में पुरातन छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया इस अवसर पर प्राचार्य प्रो० जी० के० सिंह ने कहा कि पूर्व छात्र-छात्राओं के इस सम्मेलन की मूल संकल्पना है कि कैसे महाविद्यालय का सर्वांगीण विकास हो । साथ ही साथ पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ भारत मिशन, क्लीन कैम्पस-ग्रीन कैम्पस, जैविक खेती, जल संरक्षण, योग, साक्षरता, कोविड 19, स्मार्ट क्लास, रेमेडियल क्लास जैसे समसामयिक विषयों को परिधि में लाया गया। प्राचार्य ने कहा कि पुरातन छात्रों की उपलब्धियां उल्लेखनीय रही है । इस अवसर पर कार्यक्रम समन्वयक / संचालक डॉ० तरुण श्रीवास्तव ने कहा कि पूर्व छात्र-छात्राओं से एलुमनाई मीट के मंच पर बाते करना एक अध्यापक के लिये सुखद एहसास है। पुरातन छात्रों को महाविद्यालय के लक्ष्य की प्राप्ति में सदैव प्रयासरत रहना चाहिये। पुरातन छात्र महाविद्यालय परिवार का महत्वपूर्ण अंग है, उन्हें अधिक संख्या में पुरातन छात्र परिषद के माध्यम से महाविद्यालय के क्रियाकलापों से जुड़े रहने और महाविद्यालय की कीर्ति के प्रसार में लगे रहना चाहिये। उन्होंने कहा कि पुरातन छात्रों को महाविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से सदैव महाविद्यालय परिवार की गतिविधियों से परिचित रहना चाहिए। इस अवसर पर प्रो० पी०के० त्यागी ने कहा कि कुछ दशकों पहले हमारा महाविद्यालय बहुत छोटा और संघर्षरत था लेकिन आज अगर हम इसके बारे में बात करते हैं तो हमारे छात्र दुनियाभर में अपने विकास शिक्षा, ज्ञान और उनके प्रदर्शन के कारण व्यापक रूप से फैले हुये हैं जो हर जगह अपना मुकाम बना रहे हैं। पूर्व छात्र रोहताश सिंह चौहान ने कहा कि महाविद्यालय में प्रथम पुरातन छात्र मिलन समारोह से वह बहुत खुश है इस आयोजन के माध्यम से पुराने पलों और पुराने रिश्तों का जश्न मनाने के साथ-साथ नए रिश्तों का अध्याय शुरू करना है। यह वह अवसर है जब पुराने छात्र अपने कॉलेज में इकट्ठा हो कर पुरानी यादें ताजा करते है और साथ ही आशा की नई किरण के साथ महाविद्यालय में नये युग की नीव डालते है। इस दौरान विभिन्न राज्यों से आये पूर्व छात्रों ने अपने शिक्षकों, प्राचार्य, व छात्रों से मिलकर बातचीत की तथा महाविद्यालय का भ्रमण कर भावुक हो गये ।

महाविद्यालय में प्राचार्य प्रोफेसर जी०के० सिंह जी के व्यक्तिगत अनुरोध पर जिलाधिकारी सी० पी० सिंह जी तथा डी०आई० जी० संतोष कुमार सिंह जी का आगमन हुआ, प्राचार्य जी द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी महोदय तथा डी आई जी ने महाविद्यालय के उत्थान हेतु प्राचार्य द्वारा किये जा रहे रचनात्मक , सामाजिक तथा रोजगारपरक कार्यों को विस्तार से जाना और उन कार्यों की प्रशंसा की । जिलाधिकारी महोदय द्वारा महाविद्यालय प्रांगण में प्राचार्य व समस्त शिक्षकों द्वारा लगाई गई 76 फलदायक बगिया का भी निरीक्षण किया गया । उन्होंने कहा कि शिक्षा का स्तर ऊंचा उठाया जाए जिससे विद्यार्थी छोटी जगह भी अच्छी शिक्षा प्राप्त कर सके, सीमित संसाधनों का उच्चतम प्रयोग कर शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाया जाए। उन्होंने सरकार द्वारा चलाये जा रहे अभियानों की जानकारी दी और व्यक्तिगत सहयोग का आश्वासन दिया । डी आई जी संतोष कुमार सिंह ने छात्र- छात्राओं के व्यक्तित्व तथा कौशल विकास के कार्यक्रमो को ज्यादा -से-ज्यादा प्रोत्साहित करने को कहा ताकि रोजगार की समस्या का समाधान हो सके। प्राचार्य प्रोफेसर जी. के. सिंह ने व्यक्तिगत अनुरोध को स्वीकार करने के लिए जिलाधिकारी महोदय तथा डी०आई०जी० महोदय का धन्यवाद दिया तथा महाविद्यालय को मॉडल महाविद्यालय बनाने के लिए पूर्ण प्रयास करने का आश्वासन दिया।

महाविद्यालय में उद्यमिता प्रोत्साहन सम्मेलन का आयोजन किया गया इस सम्मेलन का आयोजन स्वावलंबी भारत अभियान समिति बुलंदशहर द्वारा किया गया। इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में बुलंदशहर सांसद डॉ भोला सिंह रहे तथा मुख्य वक्ता प्रांत संयोजक कुलदीप कुमार रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष अजय गर्ग द्वारा की गई तथा संचालन जयप्रकाश शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद डॉ भोला सिंह ने कहा कि बगैर उद्यमिता के विकास के कोई भी देश आर्थिक विकास नहीं कर सकता है। उद्यमिता के विकास द्वारा ही कई आर्थिक, सामाजिक समस्याओं, जैसे गरीबी, बेरोजगारी, धन की विषमता, कम उत्पादकता, निम्न जीवन स्तर आदि से छुटकारा पाया जा सकता है। सरकार ने युवाओं को रोजगार देने के लिये केवल घोषणा ही नहीं की अपितु धरातल पर क्रियान्वयन कराने का भी कार्य किया है। उन्होंने कहा कि सर्वप्रथम किसी भी देश के विकास के लिए औद्योगिक विकास आवश्यक है। सांसद डॉ भोला सिंह ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी छात्र छात्राओं को आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत चल रहे उद्यमिता प्रोत्साहन सम्मेलनों के महत्व से अवगत कराते हुए उन्हें स्वयं रोजगारके लिए प्रेरित किया। सम्मेलन में कौशल विकास अधिकारी,जिला उद्योग केंद्र अधिकारी आजम तथा पंजाब नेशनल बैंक अधिकारी नवीनचंद्र बंसल ने केंद्र की मोदी व प्रदेश की योगी सरकार द्वारा युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु चलायी जा रही योजनाओं तथा उनके लिये ऋण तथा प्रशिक्षण आदि के बारे में विस्तार से बताते हुए योजनाओं का लाभ लेकर स्वयं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने तथा अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध कराने एवं देश के विकास में योगदान करने का आह्वान किया।

महाविद्यालय में प्राचार्य प्रोफेसर जी. के. सिंह के अथक प्रयासों से रोवर रेंजर कार्यक्रम का प्रथम बार शुभारम्भ किया गया। इसके लिए भारत स्काउट और गाइड संगठन ने एक -एक यूनिट रोवर और रेंजर की प्रदान की जिससे महाविद्यालय के विद्यार्थियों को लाभ हो और वह देश के जिम्मेदार नागरिक बन सकें। शुभारम्भ के अवसर पर संगठन कमिश्नर पवन राठी ने तीन दिवसीय प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रथम सत्र प्रारम्भ किया । जिसमे रोवर क्रू लीडर डॉ तरुण श्रीवास्तव, रेंजर टीम लीडर डॉ सुनीता गौड़ ने विद्यार्थियों को पूर्ण अनुशासन में रह कर प्रशिक्षण करने व निरन्तर देश को आगे बढ़ाने का आह्वान किया । क्रू और टीम के विद्यार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया और देश हित मे निरन्तर काम करने की शपथ ली।

महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव में शासन के निर्देशानुसार समय समय पर देशभक्ति से ओतप्रोत चलचित्र "लौह पुरुष सरदार पटेल" और "चक दे" इंडिया का प्रदर्शन किया गया । प्रथम बार इस तरह के आयोजन की सभी छात्रों और शिक्षकों ने सराहना की । महाविद्यालय में एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत दीप जलाकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। इस कार्यक्रम में समाज के हर वर्ग ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया।

महाविद्यालय में विश्वविद्यालय द्वारा इतिहास विषय मे प्राचार्य प्रोफेसर जी. के. सिंह, सांख्यिकी विषय मे प्रोफेसर पी. के. त्यागी, वाणिज्य में डॉ तरुण श्रीवास्तव को शोध कार्य (पी. एच. डी) कराने की अनुमति प्रदान की गई महाविद्यालय में शासन के निर्देशानुसार डॉ यू. के.झा, डॉ पी के त्यागी, डॉ चन्द्रावती को प्रोफेसर पद नाम से सुशोभित किया गया। जिससे महाविद्यालय गौरवान्वित हुआ है। महाविद्यालय में वर्षों से खाली पड़े पदों पर उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग से छः नए असिस्टेंट प्रोफेसर हिंदी-आलोक तिवारी,समाजशास्त्र-अनिल कुमार, संस्कृत-सोहन आर्य, गणित- हरेंद्र कुमार, भौतिकी-दीक्षित कुमार,अर्थशास्त्र-हिमांशु कुमार का चयन हुआ।

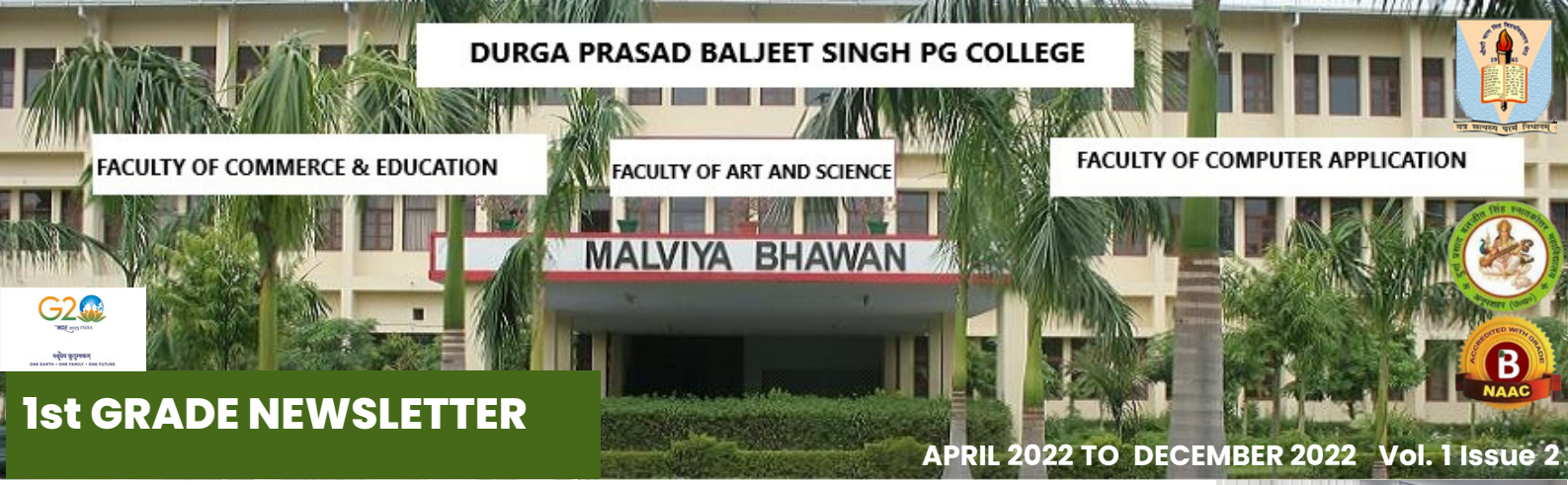

DURGA PRASAD BALJEET SINGH PG COLLEGE

FACULTY OF COMMERCE & EDUCATION

FACULTY OF ART AND SCIENCE

FACULTY OF COMPUTER APPLICATION

MALVIYA BHAWAN

1st GRADE NEWSLETTER

APRIL 2022 TO DECEMBER 2022 Vol. 1 Issue 2

महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य मे आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसका विषय "आदर्श राष्ट्र के निर्माण में रामचरित मानस की भूमिका" था। इस विचार गोष्ठी के मुख्य वक्ता महाविद्यालय में नव नियुक्त सहायक आचार्य आलोक कुमार तिवारी ने श्रीराम के जीवन को आदर्श बनाकर आदर्श राष्ट्र एवं परिवार के निर्माण में तुलसी दास की विविध कृतियों को उद्धृत करते हुए व्याख्यायित किया एवं श्री राम चंद्र के चरित्र को आदर्श मानकर समाज एवं राष्ट्र के निर्माण हेतु अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. जी के सिंह जी ने की अपने अध्यक्षी भाषण में प्राचार्य जी ने तुलसीदास जी के जीवन से सीख लेते हुए जीवन में उतारकर राष्ट्र एवं संस्थान के निर्माण में सक्रिय सहभागिता हेतु प्रेरित किया।

महाविद्यालय में "हर घर तिरंगा अभियान" के अंतर्गत राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा का वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 गिरीश कुमार सिंह ने की। सर्वप्रथम महाविद्यालय प्राचार्य प्रो0 गिरीश कुमार सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज संहिता के बारे में जानकारी देते हुए राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा के महत्व पर प्रकाश डाला एवं राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा को अपने-अपने घरों में विधिपूर्वक फहराने का उचित ढंग बताया। इसके पश्चात प्राचार्य प्रो0 गिरीश कुमार सिंह ने शिक्षकों,शिक्षणेत्तर कर्मचारियों एवं छात्र छात्राओं को राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा वितरित किया।

महाविद्यालय और संस्कृत भारती के संयुक्त तत्वावधान में संस्कृत सप्ताह के तहत विभिन्न प्रतियोगिताओं व विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें वक्ताओं ने संस्कृत भाषा के महत्व व उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला। समारोह का शुभारम्भ महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर जीके सिंह ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। संस्कृत गीत गायन प्रतियोगिता में एलडीएवी ने प्रथम, जेवीएम विवि परिसर ने द्वितीय व पीएसपीए ने तृतीय स्थान हासिल किया। संस्कृत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में एलडीएवी के कुणाल शर्मा ने प्रथम, वंशिका ने द्वितीय व ओम ने तृतीय स्थान हासिल किया। प्रश्नोत्तरी स्पर्धा एलडीएवी ने प्रथम, गुरुकुल व जेपी संस्कृत विद्यालय ने द्वितीय तथा एसडीपीडी ने तृतीय स्थान हासिल किया।

महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ एवं अवैध तस्करी निषेध दिवस मनाया गया। कार्यक्रम 41 यूपी बटालियन एनसीसी के तत्वावधान में आयोजित हुआ। इस मौके पर डीपीबीएस (पीजी) कालेज एवं एलडीएवी इंटर कालेज अनूपशहर के कैडेट्स ने एक सेमिनार का आयोजन किया। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि हमें नशीले एवं मादक पदार्थों का विरोध करते हुए भारत को नशा मुक्त बनाना है। जिससे भारत की छवि विश्व पटल पर ऊंचाइयों को छू सके। साथ ही सभी कैडेट्स ने "मेरी सरकार" ब्लॉग पर विश्व रक्त दिवस पर ई-प्रतिज्ञा लेकर प्रमाण पत्र प्राप्त किए। कार्यक्रम का संचालन लेफ्टिनेंट यजवेंद्र कुमार ने किया। भारत सरकार की ओर से इस दिवस का ध्येय वाक्य "से यस टू लाइफ नो टू ड्रग्स" रहा। एनसीसी कैडेट्स ने विभिन्न चित्र आकृतियों के द्वारा नशा मुक्ति के संदेश को जनमानस तक पहुंचाने का प्रयास किया।

महाविद्यालय में तीन दिवसीय "सूचना प्रौद्योगिकी का योगदान श्रृंखला -2" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया जिसमे प्रथम दिन आचार्य डॉ तरुण श्रीवास्तव ने महाविद्यालय में कार्यालय को सूचना प्रौद्योगिकी तकनीकी का उपयोग कर अपने कार्यों को विभिन्न एप्लीकेशंस द्वारा अपने काम कोऔर अधिक आसान बनाकर और अपने समय को बचाकर अपने महाविद्यालय कार्यालय को और अधिक हाईटेक बनाने के गुर सिखाए। दूसरे दिन बीसीए विभाग के आचार्य सचिन अग्रवाल ने कार्यशाला विषय की उपयोगिता को वर्तमान समय से जोड़ते हुए गूगल ई- फॉर्म की आवश्यकता एवं प्रयोग को बताते हुए कार्यशाला में उपस्थित सभी शिक्षक साथियों को गूगल ई-फॉर्म किस प्रकार बनाया जा सकता है तथा इसके फॉर्म के माध्यम से किस प्रकार डेटा एकत्र कर सकते है, आदि की जानकारी प्रदान है। तीसरे दिन बीसीए विभाग के आचार्य मयंक शर्मा ने पावर पॉइंट प्रिजेंटेशन के बारे में सम्पूर्ण जानकारी प्रदान की और ऑडियो वीडियो विजुअल इफ़ेक्ट के साथ टेम्पलेट को कैसे रोचक बनाया जा सकता है एवम ब्राउज़र के माध्यम से कैसे विभिन्न क्लिप आर्ट और सिम्बल का प्रयोग किया जा सकता है, आदि की जानकारी प्रदान की। प्राचार्य प्रोफेसर जी. के. सिंह ने कहा इस कार्यशाला के माध्यम से आचार्यों और कर्मचारियों की कार्य-कुशलता में वृद्धि होगी।

महाविद्यालय में हिंदी दिवस पर 'हिंदी का महत्व" विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। डॉ सुनीता गौड़ ने हिंदी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदी भाषा राष्ट्रीय एकता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. जीके सिंह ने निराला जी की सर्वोच्च स्मृति व राम की शक्ति पूजा कालजयी कविता के बारे में बताया। डा. यूके झा व आचार्य,आलोक तिवारी ने हिंदी के महत्व पर अपने विचार रखे। हिंदी पर विभिन्न प्रतियोगिताओ का आयोजन किया गया तथा छात्रों को प्रमाणपत्र व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

. महाविद्यालय में उत्तर प्रदेश सरकार के युवा वन योजना के अंतर्गत 76 फलदार पेड़ो की वाटिका लगाई गई जिसका नामकरण आदरणीय श्री जयप्रकाश जी गौड़ ने वरिष्ठ समाजसेवी तथा प्रबन्ध समिति के पूर्व अध्यक्ष श्री जगदीश शरण जी के नाम पर " जगदीश वाटिका " किया। इस वाटिका में महाविद्यालय परिवार के प्रत्येक सदस्य ने 76 फलदार वृक्ष (आम, आड़, अमरूद,चीकू, जामुन, बेल,नाशपाती, पपीता, केला,आदि) रोपित किये। महाविद्यालय परिवार द्वारा रोपित इस वाटिका की निरंतर देखभाल की जाती है।

महाविद्यालय में प्राचार्य के निर्देश पर सम्पूर्ण महाविद्यालय परिसर में सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग पर पूर्णतः रोक लगाई गयी है। महाविद्यालय परिवार व समस्त छात्र- छात्राओ ने इस अभियान में बढ़चढ़ कर भाग लिया और महाविद्यालय ओर शहर को सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्त करने की शपथ ली।

महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय योगदिवस के अवसर पर महाविद्यालय सात दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों/ शिक्षको तथा सामाजिक लोगों ने भाग लेकर निरोग रहने के गुर सीखे। कार्यक्रम का संयोजन डॉ सीमांत दुबे ने किया। शिविर में विभिन्न प्रकार के योग क्रियायों द्वारा शरीर को स्वस्थ ररखने पर जोर दिया गया।

आयुष मंत्रालय के तत्वावधान में एक दिवसीय निःशुल्क आयुर्वेदिक कैम्प का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन प्राचार्य प्रोफेसर जी. के.सिंह ने किया। जिसमें विद्यार्थियों. शिक्षकों समेत 400 लोगो के स्वास्थ्य की जांच की गई और उन्हें निःशुल्क दवा प्रदान की गई। इस अवसर पर आयुर्वेद चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ गोपाल सिंह ने विद्यार्थियों व शिक्षकों की समस्याओं का समाधान आयुर्वेद पद्धति से करते हुए कहा कि आयुर्वेदिक चिकित्सा प्रणाली से किया गया इलाज बीमारी को जड़ से खत्म कर देता है। इसका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होता। कई लोग जो साधनों के अभाव में इलाज नहीं करवा पाते, उनके लिए इस तरह के मुफ्त चिकित्सा शिविर वरदान साबित होते हैं। छात्र आयुर्वेद के प्रचार व प्रसार में अहम भूमिका निभा सकते है इसलिए उन्हें सामाजिक कार्यों में बढ़चढ़ कर सहभगिता करनी चाहिए।

महाविद्यालय में आईक्यूएसी सेल के तत्वावधान में डॉ लाल पैथोलॉजी के सहयोग से निःशुल्क शुगर/कोलेस्ट्रॉल/ हीमोग्लोबिन रक्त जांच शिविर लगाया गया। शिविर में 100 से ज्यादा लोगों का नि:शुल्क शुगर/कोलेस्ट्रॉल/ हीमोग्लोबिन की जांच की गयी। इस कैम्प के उद्घाटन के अवसर पर प्राचार्य प्रोफेसर जी. के. सिंह ने कहा कि मनुष्य का स्वास्थ सबसे अहम है। भारत में लोग किसी न किसी बीमारी के शिकार हो रहे हैं। इसके लिए उन्हें समय समय पर अपनी जांच करानी आवश्यक है। डॉ लाल पैथोलॉजी के पैथोलोजिस्ट डॉ. संदीप शर्मा ने बताया कि अनियमित व मिलावटी खानपान के कारण शरीर मे बीमारी होती है ऐसे में शरीर की नियमित जांच कराते रहना चाहिए। जिससे समय पर बीमारी का पता चल सके और उसका निदान कराया जा सके।

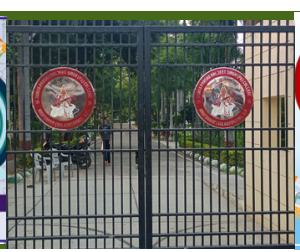

DURGA PRASAD BALJEET SINGH PG COLLEGE

FACULTY OF COMMERCE & EDUCATION | FACULTY OF ART AND SCIENCE | FACULTY OF COMPUTER APPLICATION

1st GRADE NEWSLETTER

APRIL 2022 TO DECEMBER 2022 Vol. 1 Issue 2

महाविद्यालय में प्रथम बार छात्रों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को कालेज की गतिविधियों और फैकल्टी से परिचित कराया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और मां सरस्वती वंदना से की गई।इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर गिरीश कुमार सिंह ने कहा कि सपने बड़े होने चाहिए, लक्ष्य ऊंचे होने चाहिए, प्रयास महान होने चाहिए, तभी आप सफल हो सकते हैं। शिक्षा का लक्ष्य मनुष्यों का विकास करना है जिनमे उत्कृष्ट तर्कसंगत विचार और कार्य, करुणा और सहानुभूति, साहस और लचीलापन, वैज्ञानिक स्वभाव और रचनात्मक कल्पना हो। शैक्षिक संस्थानों की स्थापना ज्ञान के अत्याधुनिक होने और छात्रों की मदद करने के लिए की गई थी और अपनी पूरी क्षमता तक पहुँचने के लिए ताकि वे न केवल अपने पेशे बल्कि अपने परिवार, समाज और प्राकृतिक पर्यावरण के लिए भी सार्थक योगदान दे सकें। आईक्यूएसी समिति के समन्वयक प्रोफेसर उमेश कुमार झा ने कहा कि विशिष्ट कौशल के साथ-साथ नवीन प्रौद्योगिकी और प्रक्रियाओं के साथ स्नातक युवाओं को विकसित करने की आवश्यकता होती है जिसकी देश को आवश्यकता है। स्नातक छात्र नौकरी के लिए तैयार होना चाहिए, लेकिन उनमे समाज और रिश्तों के बारे में व्यापक जागरूकता के साथ-साथ जीवन पर समग्र दृष्टिकोण और राष्ट्रीय उद्देश्यों के लिए काम करने की इच्छा और कौशल होना चाहिए। मुख्य अनुशासक प्रोफेसर प्रदीप कुमार त्यागी ने कहा कि महाविद्यालय में सभी छात्रों को अनुशासन में रहना चाहिए जिससे वह समाज के जिम्मेदार नागरिक बन सकें, कुछ छात्र अपनी रुचियों और महत्वाकांक्षाओं को निर्धारित करने में असमर्थ होते हैं, जो कि स्नातक छात्रों में हतोत्साहित करने में प्रमुख भूमिका निभाते है। प्रवेश प्राप्त करने के वाले छात्रों को सभी साथियों के साथ समायोजन बनना चाहिए जिससे वह पुराने छात्रों से सीख ले सकते है।विद्यार्थियों को अधिक से अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। उन्होंने कालेज की मर्यादा को बरकार रखने के लिए बनाये गए नियमों का पालन करने के लिए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया। एनईपी समिति के समन्वयक डॉ ऋषि कुमार अग्रवाल ने बताया कि नई शिक्षा नीति 2020 में छात्रों के लिए सेमेस्टर प्रणाली लागू की गई है जिसमे छात्र अपने विषय के साथ साथ अन्य विषय भी पढ़ सकते है और साथ मे कौशल विकास के विषयो की ट्रेनिंग लेकर एक कुशल नागरिक की भूमिका में आ सकते है। उन्होंने कहा कि कभी भी सीखना बंद न करें और अपने मन से कार्य को सीखें। अपने समय का उपयोग आने वाले कल को बेहतर करने के लिए करें। छात्रवृत्ति समिति की समन्वयक प्रोफेसर चन्द्रावती ने बताया कि सभी छात्र नियमानुसार राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली छात्रवृत्ति का लाभ ले सकते है। छात्र आपने फॉर्म को ऑनलाइन भरते समय विशेष सावधानी रखें महाविद्यालय से आवश्यक दिशा निर्देश प्राप्त करने के बाद ही छात्रवृत्ति फॉर्म पूर्ण कराये। मंच संचालन करते हुए जनसंपर्क अधिकारी डॉ तरुण श्रीवास्तव ने कहा कि स्टूडेंट इंडक्शन प्रोग्राम में कई तरह की गतिविधियाँ शामिल हैं, जैसे नए छात्रों,प्राध्यापकों,कर्मचारियों के साथ परिचय करना है। दूसरा, स्थानीय क्षेत्र या शहर से परिचित होना, विभिन्न विभागों का ज्ञान, विभाग प्रमुखों के साथ संबंध, महाविद्यालय के नियमों और विनियमों के बारे में जानकारी प्राप्त करना, जिसमें क्या करें और क्या न करें शामिल हैं। अन्य गतिविधियाँ जिनमें छात्रों को विभिन्न प्रकार की कलात्मक, सांस्कृतिक और पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों में शामिल किया जा सकता है, जो उन्हें स्वयं की खोज करने और उनकी आंतरिक इच्छाओं और रुचियों की समझ विकसित करने में सहयोग करती हैं, जो उनके लिए दीर्घावधि में उपयोगी साबित होंगी। एनसीसी अधिकारी प्रोफेसर यजुवेंद्र सिंह, एनएसएस अधिकारी श्री सोहन आर्य, रेंजर अधिकारी डॉ सुनीता गौड़ व समस्त विभागों के प्रमुखो ने अपने अपने विषय के बारे में विस्तार से छात्रों को समझा कर लाभान्वित किया । प्रथम बार इस प्रकार के आयोजन में सभी छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और महाविद्यालय को नई ऊचाइयों पर पहुचाने की शपथ ली। कार्यक्रम के समापन पर राष्ट्रगान का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य के निर्देशन में संविधान दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर " भारत लोकतंत्र की जननी है" विषय पर एक संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया। प्रोफेसर जी. के. सिंह ने बताया कि भारत लोकतंत्र की जननी है और यह विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। जो कि अपनी परंपराओं के लिए पूरे विश्व में विख्यात है उन्होंने संविधान के उद्देश्यों को रेखांकित करते हुए बताया कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष समाजवादी लोकतांत्रिक गणराज्य है जो अपने देश के सभी नागरिकों को देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने का समान अधिकार प्रदान करता है। कार्यक्रम में सभी आचार्यों और छात्रों ने सहभागिता की और संविधान की शपथ ली।

महाविद्यालय के बैचलर ऑफ कंप्यूटर विभाग (BCA) में एक्कोएट इंडिया ट्रेनिंग सेल, नोएडा द्वारा एक ट्रेनिंग कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को जागरूक किया गया । इसका मुख्य उद्देश्य इस कार्यक्रम के द्वारा कंप्यूटर प्रोग्रामिंग में अच्छे विद्यार्थियों को और अधिक प्रशिक्षित कर उन्हें निकट भविष्य के लिए एक सफल प्रोग्रामर बनाना है। कॉलेज प्राचार्य प्रोफेसर जी के सिंह ने विद्यार्थियों को अभिप्रेरित करते हुए कहा की हमारे महाविद्यालय के कंप्यूटर विभाग में एक बड़ी कंपनी द्वारा जॉब प्लेसमेंट दिया जा रहा है निकट भविष्य में और भी कंपनियों का आना तय है। अतः प्रत्येक विद्यार्थी अपना सर्वोत्तम प्रदर्शन करने की कोशिश करें फिर भी अगर कोई विद्यार्थी अपना सर्वोत्तम प्रदर्शन नहीं दे पाते हैं तो वे भी निराश न हो आगे और भी अच्छी तैयारी करें और वे निश्चित ही भविष्य में अच्छा करेंगे। एक्कोएट इंडिया ट्रेनिंग सेल की एचआर एग्जीक्यूटिव सौम्या ने कंपनी के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि कॉर्पोरेट जगत में अच्छे कार्य को ही प्राथमिकता दी जाती है। अर्थात भविष्य में वे ही सफल होते हैं जो अपने कार्य के प्रति ईमानदार एवं कर्तव्यनिष्ठ होते हैं। सभी विद्यार्थियों ने अपना सर्वोत्तम प्रदर्शन किया। जिसके अंतिम परिणाम में सफल 7 विद्यार्थियों का चयन प्लेसमेंट सेल द्वारा उसी समय कर लिया गया। इस अवसर पर बीसीए विभाग के मयंक शर्मा, सचिन अग्रवाल, सत्यप्रकाश ने सहयोग किया।

महाविद्यालय के बैचलर ऑफ कंप्यूटर विभाग (BCA) में इरा टेक्नोलॉजी, नोएडा के सह संस्थापक गौरव वृत्ति एवं सहकर्मियों द्वारा लिखित परीक्षा के पश्चात पुनः अन्तिम चरण के लिए विभाग के प्रथम चरण में सम्मिलित 54 छात्र छात्राओं का परिणाम घोषित किया गया। लिखित परीक्षा को पास कर अंतिम चरण में साक्षात्कार के लिए चयनित हुए 24 विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कॉलेज प्राचार्य प्रोफेसर जी. के. सिंह ने कहा कि किसी भी लक्ष्य को धैर्य एवं संयम द्वारा आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। अतः विद्यार्थियों को चाहिए कि प्रश्नकर्ता के प्रश्नों को धैर्य के साथ सुनकर प्रश्नों के उत्तर दिए जाएं तो निश्चित ही लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। कंपनी द्वारा लिए गए अंतिम चरण के साक्षात्कार में 5 विद्यार्थी सौम्या भारद्वाज, प्रणव शर्मा, डॉली चौधरी, यश वार्ष्णेय और मनीष शर्मा चयनित हुए। विभागाध्यक्ष पंकज कुमार गुप्ता ने इरा टेक्नोलॉजी, नोएडा के सह संस्थापक गौरव वृत्ति एवं सहकर्मियों को धन्यवाद दिया।

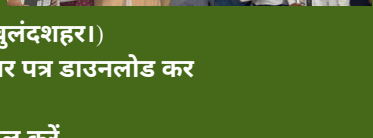

महाविद्यालय के मेधावी छात्र ने चौधरी चरण सिंह मेरठ द्वारा परीक्षा वर्ष 2022 की निर्गत श्रेष्ठता सूची में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त किया है। इन मेधावी छात्र छात्राओं को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ में आयोजित होने वाले दीक्षांत समारोह में सम्मानित किया । भौतिक विज्ञान पाठ्यक्रम में बालक वर्ग की श्रेष्ठता सूची में महाविद्यालय के छात्र उज्जवल सिंह ने विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान, एमएससी भौतिक विज्ञान की सम्पूर्ण श्रेष्ठता सूची में महाविद्यालय की छात्रा निकिता शर्मा ने विश्वविद्यालय में द्वितीय स्थान, बीएड पाठ्यक्रम की श्रेष्ठता सूची में महाविद्यालय की छात्रा शिवा भारद्वाज ने विश्वविद्यालय में तृतीय स्थान, महाविद्यालय से बीएससी उत्तीर्ण पूर्व छात्र ललित भारद्वाज ने एमएससी गणित पाठ्यक्रम मे विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। प्राचार्य जी. के. सिंह ने सभी छात्र-छात्राओं को विश्वविद्यालय में कॉलेज का नाम रोशन करने के लिए शुभकामनाएं दी और कहा कि जीवन मे कामयाबी के साथ अच्छा इंसान बनना अहम है। इसी से कॉलेज, परिवार, समाज और देश का नाम रोशन होता है। प्राचार्य ने महाविद्यालय के सभी प्राध्यापको द्वारा किया जा अध्यापन कार्य की प्रसंशा की।

प्रकाशित द्वारा- दुर्गा प्रसाद बलजीत सिंह स्नातकोत्तर कॉलेज, अनूपशहर (बुलंदशहर।)
आप कॉलेज की आधिकारिक वेबसाइट http://www.dpbspgcollege.edu.in/ से समाचार पत्र डाउनलोड कर सकते हैं।
किसी भी सुझाव के लिए आप हमें dpbspgcollege65@gmail.com पर मेल करें